अपठित अवबोधन

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» अपठित गद्यांश का परिचय

प्रश्न 1 (आसान). धात्रीफलस्य अपरं नाम किम्?

उत्तर – आमलकम्

प्रश्न 2 (आसान). सहभोजनेन कीदृशः भावः जागर्ति?

उत्तर – प्रेम्णः

प्रश्न 3 (मध्यम). पूर्णवाक्येन उत्तरत – धात्रीफलं कथं बहूपयोगि अस्ति?

उत्तर – धात्रीफलं नेत्रयोः ज्योतिर्वर्धनाय, केशानां सौन्दर्यवृद्धये, त्वचः कान्तिवर्धनाय च बहूपयोगि भवति।

प्रश्न 4 (कठिन). अनुच्छेदस्यास्य कृते समुचितं शीर्षकं लिखत।

उत्तर – धात्रीफलस्य महत्वम् / आमलकम्

» धात्रीफल (आँवला) के लाभ और परंपरा

प्रश्न 5 (आसान). धात्रीफल को और किस नाम से जाना जाता है?

उत्तर – आमलकम्

प्रश्न 6 (आसान). धात्रीफल किस रोग को दूर करने में सहायक है?

उत्तर – रक्ताताल्पता (खून की कमी)

प्रश्न 7 (मध्यम). प्राचीन काल में कार्तिक मास में कौन सी परंपरा थी?

उत्तर – धात्रीवृक्ष के नीचे सहभोज की परंपरा थी।

प्रश्न 8 (कठिन). धात्रीफल के कोई तीन लाभ संस्कृत में बताइए।

उत्तर – नेत्रयो: जयोतिर्वर्धनाय, केशानां सौन्दर्यवृद्धये, त्वच: कान्तिवर्धनाय च बहूपयोगि भवति। (या रक्तकोशिकानिर्माणे सहायकं भवति, स्मरणशक् तिर्वर्धते, तापम् अपनयति)

» सरदार वल्लभभाई पटेल: लौह पुरुष

प्रश्न 9 (आसान). सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म कब हुआ था?

उत्तर – 31 अक्टूबर 1875 को।

प्रश्न 10 (आसान). उन्हें किस नाम से जाना जाता है?

उत्तर – लौह पुरुष के नाम से।

प्रश्न 11 (मध्यम). स्टैच्यू ऑफ यूनिटी किस महापुरुष को समर्पित है और इसकी ऊँचाई कितनी है?

उत्तर – यह सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित है और इसकी ऊँचाई 182 मीटर है।

प्रश्न 12 (कठिन). भारत के एकीकरण में सरदार पटेल की मुख्य भूमिका क्या थी?

उत्तर – उन्होंने भारत की विभिन्न रियासतों को भारतीय संघ में शामिल करने में केंद्रीय और महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

» परिश्रम का महत्व

प्रश्न 13 (आसान). बिना मेहनत के क्या संभव नहीं है?
उत्तर – बिना मेहनत के सफलता संभव नहीं है।

प्रश्न 14 (आसान). लक्ष्य तक पहुँचने का सबसे अच्छा तरीका क्या है?
उत्तर – लक्ष्य तक पहुँचने का सबसे अच्छा तरीका लगातार परिश्रम करना है।

प्रश्न 15 (मध्यम). गीता में कर्म के बारे में क्या कहा गया है?
उत्तर – गीता में कहा गया है कि हमें फल की चिंता किए बिना अपना कर्म (मेहनत) करते रहना चाहिए।

प्रश्न 16 (कठिन). एक साधारण बुद्धि का छात्र भी कैसे सफल हो सकता है, जबकि एक मेधावी छात्र भी कभी-कभी असफल हो जाता है?
उत्तर – एक साधारण बुद्धि का छात्र भी अपनी निरंतर मेहनत और लगन से सफल हो सकता है, जबकि एक मेधावी छात्र यदि परिश्रम न करे तो वह भी असफल हो सकता है। यह सब परिश्रम पर निर्भर करता है।

» मानवीय मूल्य और उनका महत्व

प्रश्न 17 (आसान). दो मानवीय मूल्यों के नाम बताओ।
उत्तर – दया और सत्य।

प्रश्न 18 (आसान). क्या सिर्फ किताबें पढ़कर ही हम एक अच्छे इंसान बन सकते हैं?
उत्तर – नहीं।

प्रश्न 19 (मध्यम). हमें बचपन से ही मानवीय मूल्य क्यों सीखने चाहिए?
उत्तर – बचपन से इन्हें सीखने से हमारा व्यक्तित्व पूरी तरह से विकसित होता है और हम एक सफल व नेक इंसान बनते हैं।

प्रश्न 20 (कठिन). मानवीय मूल्य हमें 'विश्वगुरु' बनने में कैसे मदद कर सकते हैं?
उत्तर – जब किसी देश के नागरिक दयालु, सत्यवादी, ईमानदार और नैतिक होते हैं, तो वह देश न केवल प्रगति करता है बल्कि पूरे विश्व के लिए एक आदर्श भी बन जाता है, जैसा प्राचीन भारत था। मानवीय मूल्यों का पालन करके ही हम फिर से विश्वगुरु का दर्जा प्राप्त कर सकते हैं।

» जीवन की सापेक्षता: अकिञ्चन और वैभव की कहानी

प्रश्न 21 (आसान). अकिञ्चन को क्यों हीन भावना आती थी?
उत्तर – क्योंकि उसके सहपाठी अमीर परिवारों से थे और वह गरीब था।

प्रश्न 22 (आसान). वैभव ने अकिञ्चन को अपने घर क्यों बुलाया?
उत्तर – गणित पढ़ने के लिए।

प्रश्न 23 (मध्यम). वैभव के घर जाकर अकिञ्चन को क्या पता चला?
उत्तर – उसे पता चला कि वैभव के माता-पिता घर पर नहीं होते थे और देर रात लौटते थे, जिससे वैभव अकेला महसूस करता था।

प्रश्न 24 (कठिन). इस कहानी से हमें 'जीवन की सापेक्षता' के बारे में क्या सीख मिलती है?
उत्तर – हमें यह सीख मिलती है कि हर व्यक्ति का जीवन अलग होता है और हमें बाहरी दिखावे या दूसरों की चीज़ों को देखकर अपने जीवन की तुलना नहीं करनी चाहिए। असली खुशी धन में नहीं, बल्कि रिश्तों के प्यार और संतुष्टि में होती है।

» प्रदूषण के प्रकार और समाधान

प्रश्न 25 (आसान). वायु प्रदूषण के दो मुख्य कारण क्या हैं?
उत्तर – वाहनों और कारखानों से निकलने वाला धुआँ।

प्रश्न 26 (आसान). प्रदूषित जल पीने से कौन सी बीमारियाँ हो सकती हैं?
उत्तर – पेट की बीमारियाँ, टाइफाइड, पीलिया।

प्रश्न 27 (मध्यम). प्रदूषण कम करने के लिए आप अपने स्तर पर क्या कर सकते हैं?
उत्तर – ज़्यादा पेड़ लगाना, साइकिल का उपयोग करना, कूड़ा सही जगह फेंकना।

प्रश्न 28 (कठिन). अगर आपके शहर में ध्वनि प्रदूषण ज़्यादा है, तो यह कैसे आपके दैनिक जीवन को प्रभावित करेगा? दो उदाहरण दें।
उत्तर – पढ़ाई में एकाग्रता नहीं रहेगी और रात में ठीक से नींद नहीं आएगी।

» वैश्विक उष्णता (ग्लोबल वार्मिंग) और पर्यावरण संरक्षण

प्रश्न 29 (आसान). ग्लोबल वार्मिंग का क्या अर्थ है?
उत्तर – धरती के तापमान का लगातार बढ़ना और पर्यावरण का असंतुलित होना।

प्रश्न 30 (आसान). वैश्विक उष्णता का एक कारण बताइए।
उत्तर – जनसंख्या वृद्धि (या वनों की कटाई या जीवाश्म ईंधन का उपयोग)

प्रश्न 31 (मध्यम). वैश्विक उष्णता को कम करने के लिए दो उपाय क्या हैं?
उत्तर – नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करना और अधिक से अधिक पेड़ लगाना।

प्रश्न 32 (कठिन). आपके अनुसार, जीवाश्म ईंधन का उपयोग वैश्विक उष्णता को कैसे बढ़ाता है?
उत्तर – जीवाश्म ईंधन (जैसे कोयला, पेट्रोल) जलने पर हानिकारक गैसें छोड़ते हैं जो वातावरण में गर्मी को रोक लेती हैं, जिससे धरती का तापमान बढ़ जाता है।

» बहुमंजिला इमारतें और सतत विकास

प्रश्न 33 (आसान). बहुमंजिला इमारतें किस समस्या का समाधान करती हैं?
उत्तर – बढ़ती जनसंख्या के कारण आवास की कमी की समस्या का।

प्रश्न 34 (आसान). बहुमंजिला इमारतों में कौन-कौन सी सुविधाएँ मिलती हैं?
उत्तर – लिफ्ट, मंदिर, स्विमिंग पूल, जिम, गार्डन आदि।

प्रश्न 35 (मध्यम). 'सतत विकास' से आप क्या समझते हैं? अपने शब्दों में बताएँ।
उत्तर – सतत विकास का अर्थ है कि हम अपनी वर्तमान ज़रूरतों को इस तरह से पूरा करें कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी संसाधन बचे रहें और प्रकृति को नुकसान न पहुँचे।

प्रश्न 36 (कठिन). क्या केवल बहुमंजिला इमारतें बनाना ही 'सतत विकास' है? विस्तार से समझाएँ।
उत्तर – नहीं, केवल बहुमंजिला इमारतें बनाना 'सतत विकास' नहीं है। 'सतत विकास' तब होगा जब इन इमारतों के निर्माण में पर्यावरण का ध्यान रखा जाए, जैसे कम प्रदूषण फैलाया जाए, पानी और ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों का उपयोग किया जाए, और आसपास के हरे-भरे क्षेत्र को बचाया जाए। विकास के साथ प्रकृति का संरक्षण भी ज़रूरी है।

» गद्यांश आधारित प्रश्नों के उत्तर देने की विधि

प्रश्न 37 (आसान). सूर्यः पूर्वस्यां दिशि उदेति। प्रश्न: सूर्यः कस्यां दिशि उदेति? (एकपदेन)
उत्तर – पूर्वस्याम्

प्रश्न 38 (आसान). सीता रामस्य पत्नी आसीत्। प्रश्न: सीता कस्य पत्नी आसीत्? (पूर्णवाक्येन)
उत्तर – सीता रामस्य पत्नी आसीत्।

प्रश्न 39 (मध्यम). विद्या ददाति विनयम्। प्रश्न: 'विनयम्' अस्य पदस्य क्रियापदं किम्? (यथानिर्देशं)

उत्तर – ददाति

प्रश्न 40 (कठिन). जलमेव जीवनम्। जलं विना जीवनं न सम्भवति। जनाः जलस्य दुरुपयोगं कुर्वन्ति। अतः जलस्य संरक्षणं करणीयम्। प्रश्न: अनुच्छेदस्यास्य कृते समुचितं शीर्षकं लिखत।

उत्तर – जलस्य महत्त्वम् / जलं जीवनम्

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. एकपदेन उत्तरत – धात्रीफलं कस्मिन् सहायकं भवति?

› सबसे पहले, दिए गए गद्यांश को ध्यान से पढ़ेंगे।

› उस पंक्ति को ढूँढेंगे जहाँ 'धात्रीफल' के फायदे या सहायता का ज़िक्र है।

› गद्यांश में लिखा है: 'इदं रक्तकोशिकानिर्माणे अपि सहायकं भवति।'

› सवाल 'एकपदेन' है, यानी एक शब्द में उत्तर देना है।

› तो, 'रक्तकोशिकानिर्माणे' ही सही उत्तर होगा।

उत्तर – रक्तकोशिकानिर्माणे

उदाहरण 2. संस्कृत में बताइए, धात्रीफल आँखों और बालों के लिए कैसे उपयोगी है?

› पहले हम यह पहचानेंगे कि प्रश्न किस बारे में है - 'आँखों और बालों के लिए धात्रीफल की उपयोगिता'।

› अब हम पाठ में उस हिस्से को देखेंगे जहाँ धात्रीफल के लाभ बताए गए हैं।

› वहाँ हमें 'नेत्रयो: जयोतिर्वर्धनाय' (आँखों की रोशनी बढ़ाने के लिए) और 'केशानां सौन्दर्यवृद्धये' (बालों की सुंदरता बढ़ाने के लिए) ये वाक्यांश मिलेंगे।

› इन्हें जोड़कर उत्तर लिखेंगे।

उत्तर – धात्रीफलं नेत्रयो: जयोतिर्वर्धनाय, केशानां सौन्दर्यवृद्धये च बहूपयोगि भवति।

उदाहरण 3. सरदार वल्लभभाई पटेल को 'लौह पुरुष' क्यों कहा जाता है?

› पहला कदम यह समझना है कि 'लौह पुरुष' का मतलब क्या है। यह ऐसे व्यक्ति के लिए इस्तेमाल होता है जिसका संकल्प बहुत मज़बूत हो, जो कभी हार न माने।

› दूसरा कदम, सरदार पटेल के जीवन में ऐसे कौन से काम थे जो उनकी इस मज़बूती को दर्शाते हैं।

› उन्होंने आज़ादी के बाद भारत की लगभग 565 छोटी-बड़ी रियासतों को एक धागे में पिरोकर एक अखंड भारत का निर्माण किया। यह एक बहुत बड़ा और मुश्किल काम था, जिसमें बहुत दृढ़ता और शक्ति की आवश्यकता थी।

› यह काम उनके अटल इरादे, दूरदर्शिता और कूटनीति का प्रमाण है।

उत्तर – सरदार वल्लभभाई पटेल को 'लौह पुरुष' इसलिए कहा जाता है क्योंकि उन्होंने आज़ाद भारत में बिखरी हुई रियासतों को अपनी मज़बूत इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प से एकजुट करके एक विशाल भारत का निर्माण किया। उनका यह कार्य लोहे की तरह मज़बूत इरादे को दर्शाता है।

उदाहरण 4. सफलता पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

› पहला कदम है लक्ष्य तय करना।

› दूसरा, उस लक्ष्य तक पहुँचने के लिए योजना बनाना।

› तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण कदम, उस योजना पर लगातार और पूरी लगन से मेहनत करना।

› अगर बीच में कोई मुश्किल आए, तो हार न मानना और और ज़्यादा हिम्मत से काम करना।

उत्तर – सफलता पाने के लिए हमें परिश्रम (कड़ी मेहनत) करना चाहिए।

उदाहरण 5. मानवीय मूल्य क्यों महत्वपूर्ण हैं?

› पहला कदम: हमें यह समझना होगा कि मनुष्य केवल शरीर और दिमाग का नहीं, बल्कि भावनाओं का भी पुतला है।

› दूसरा कदम: मानवीय मूल्य जैसे दया, सत्य, अहिंसा, ईमानदारी हमें एक अच्छा इंसान बनाते हैं, दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करना सिखाते हैं।

› तीसरा कदम: ये मूल्य हमें सिर्फ स्कूल या परीक्षा में ही नहीं, बल्कि परिवार में, समाज में और हमारे पूरे जीवन में सही फैसले लेने में मदद करते हैं।

› चौथा कदम: इनसे हमारा सर्वांगीण विकास होता है – यानी हम पढ़ाई में भी अच्छे होते हैं और एक नेक इंसान भी बनते हैं। भारत की संस्कृति में तो आदिकाल से ही इन मूल्यों को बहुत महत्व दिया गया है।

उत्तर – मानवीय मूल्य महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे हमें एक सच्चा और अच्छा इंसान बनाते हैं, हमारे व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करते हैं, और समाज में हमें सम्मान दिलाते हुए जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता करते हैं।

उदाहरण 6. अकिञ्चन वैभव के जीवन को देखकर क्या सीखता है और यह हमें क्या शिक्षा देता है?

› पहला चरण: अकिञ्चन अपने अभावों के कारण हीन भावना से ग्रस्त था। उसे लगता था वैभव जैसे दोस्तों का जीवन उससे कहीं बेहतर है क्योंकि वे समृद्ध परिवार से थे।

› दूसरा चरण: जब वैभव गणित पढ़ने के लिए अकिञ्चन को अपने घर बुलाता है, तो अकिञ्चन वहाँ देखता है कि वैभव के माता-पिता घर पर नहीं थे और देर रात घर आते थे। वैभव का जीवन बाहरी समृद्धि के बावजूद अकेलापन और माता-पिता के स्नेह के अभाव से भरा था।

› तीसरा चरण: इस बात को देखकर अकिञ्चन समझता है कि उसके पास भले ही बहुत धन न हो, लेकिन उसके माता-पिता का साथ, उनका प्यार उसके साथ है, जो वैभव के पास नहीं है। उसे एहसास होता है कि उसका जीवन वैभव के जीवन से कहीं बेहतर है।

› निष्कर्ष: यह कहानी हमें सिखाती है कि हर किसी का जीवन अपनी परिस्थितियों में सापेक्ष होता है। हमें दूसरों की बाहरी चमक-धमक देखकर अपने जीवन को कम नहीं आंकना चाहिए। सच्चे सुख का आधार धन नहीं, बल्कि रिश्तों का प्यार और मानसिक शांति है।

उत्तर – अकिञ्चन समझता है कि धन-दौलत ही सब कुछ नहीं होती। माता-पिता का साथ और प्यार जीवन में सबसे बढ़कर है। यह कहानी हमें सिखाती है कि जीवन की खुशी बाहरी दिखावे में नहीं, बल्कि आंतरिक संतुष्टि और रिश्तों में है। 'दूर से पहाड़ रमणीय लगते हैं' - यानि दूर से जो चीज़ें सुंदर दिखती हैं, पास जाने पर उनकी असलियत पता चलती है।

उदाहरण 7. प्रश्न: ध्वनि प्रदूषण के दो कारण और दो हानिकारक प्रभाव लिखिए।

› पहला कारण: शादी-ब्याह और त्योहारों में तेज़ आवाज़ में डीजे बजाना।

› दूसरा कारण: सड़कों पर वाहनों का लगातार और बेवजह हॉर्न बजाना।

› पहला हानिकारक प्रभाव: इससे सुनने की शक्ति पर बुरा असर पड़ता है और कान बहरे हो सकते हैं।

› दूसरा हानिकारक प्रभाव: व्यक्ति में चिड़चिड़ापन बढ़ जाता है, पढ़ाई में मन नहीं लगता और सिर दर्द भी होता है।

उत्तर – ध्वनि प्रदूषण के कारण: डीजे का शोर, वाहनों के हॉर्न। हानिकारक प्रभाव: सुनने की शक्ति में कमी, चिड़चिड़ापन।

उदाहरण 8. वैश्विक उष्णता के तीन मुख्य कारण और इसे रोकने के दो उपाय बताइए।

› पहला कारण है 'जनसंख्या वृद्धि'। जब लोग बढ़ते हैं, तो उनके लिए घर बनाने के लिए जगह चाहिए होती है, इसलिए हम पेड़ काटते हैं और जंगल खत्म करते हैं।

› दूसरा कारण है 'वनों की कटाई'। पेड़ हमें ऑक्सीजन देते हैं और कार्बन डाइऑक्साइड सोखते हैं, जो गर्मी बढ़ाने वाली गैस है। जब पेड़ कटते हैं, तो यह संतुलन बिगड़ जाता है।

› तीसरा कारण है 'जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल'। हम गाड़ियों में, फैक्टरियों में कोयला, पेट्रोल, डीज़ल जलाते हैं, जिससे जहरीली गैसें निकलती हैं जो गर्मी को कैद कर लेती हैं।

› इसे रोकने के लिए हमें 'नवीकरणीय ऊर्जा' का उपयोग करना चाहिए, जैसे सौर ऊर्जा (धूप से बिजली), पवन ऊर्जा (हवा से बिजली)।

› और सबसे ज़रूरी 'वृक्षारोपण' करना चाहिए, यानी ज़्यादा से ज़्यादा पेड़ लगाने चाहिए और जंगल बचाने चाहिए।

उत्तर – वैश्विक उष्णता के तीन मुख्य कारण हैं: जनसंख्या वृद्धि, वनों की कटाई और जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक उपयोग। इसे रोकने के दो उपाय हैं: नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग और अधिक से अधिक वृक्षारोपण।

उदाहरण 9. शहरों में तेज़ी से बन रही बहुमंजिला इमारतें किस समस्या का समाधान कर रही हैं और 'सतत विकास' का सिद्धांत इसमें कैसे लागू होता है?

› पहला चरण: शहरों में बढ़ती जनसंख्या के कारण घरों की कमी हो रही है। इस समस्या का समाधान बहुमंजिला इमारतें करती हैं क्योंकि ये कम ज़मीन में ज़्यादा परिवारों को रहने की जगह देती हैं।

› दूसरा चरण: इन इमारतों में रहने वाले लोगों को मंदिर, पार्क, जिम जैसी कई सुविधाएँ भी एक ही जगह मिल जाती हैं, जिससे उनका जीवन आसान होता है।

› तीसरा चरण: 'सतत विकास' का सिद्धांत यहाँ यह बताता है कि भले ही हम ऐसी इमारतें बनाएँ, पर हमें यह ध्यान रखना होगा कि इसके लिए पेड़ों की कटाई कम से कम हो, पानी का सही उपयोग हो, और प्रदूषण न बढ़े। हमें विकास तो करना है, पर प्रकृति को नुकसान पहुँचाए बिना।

उत्तर – बहुमंजिला इमारतें बढ़ती जनसंख्या की आवास समस्या का समाधान करती हैं, और 'सतत विकास' का सिद्धांत हमें सिखाता है कि इन इमारतों का निर्माण प्रकृति को संरक्षित करते हुए होना चाहिए।

उदाहरण 10. गद्यांश पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर दें:

'वृक्षाः अस्माकं मित्राणि सन्ति। ते फलानि, पुष्पाणि, छायां च यच्छन्ति। वृक्षारोपणं पर्यावरणस्य संरक्षणाय आवश्यकम्।'

(i) एकपदेन उत्तरत: अस्माकं मित्राणि के सन्ति?

(ii) पूर्णवाक्येन उत्तरत: वृक्षाः किं यच्छन्ति?

(iii) यथानिर्देशं उत्तरत: 'मित्राणि' अस्य पदस्य विशेषणपदं किम्?

› सबसे पहले, पूरे गद्यांश को एक या दो बार ध्यान से पढ़ें, उसका अर्थ समझने की कोशिश करें।

› पहले प्रश्न (i) 'अस्माकं मित्राणि के सन्ति?' को देखें। गद्यांश में साफ लिखा है 'वृक्षाः अस्माकं मित्राणि सन्ति।' तो 'के' की जगह 'वृक्षाः' आएगा। यह 'एकपदेन' का उत्तर है, सिर्फ एक शब्द में।

› दूसरे प्रश्न (ii) 'वृक्षाः किं यच्छन्ति?' को देखें। गद्यांश में है 'ते फलानि, पुष्पाणि, छायां च यच्छन्ति।' 'ते' का मतलब 'वृक्ष'। तो यहाँ पूरा वाक्य लिखेंगे।

› तीसरे प्रश्न (iii) 'यथानिर्देशं उत्तरत: 'मित्राणि' अस्य पदस्य विशेषणपदं किम्?' को देखें। 'मित्राणि' एक संज्ञा पद है। गद्यांश में 'अस्माकं मित्राणि' है। 'अस्माकं' यहाँ 'मित्राणि' की विशेषता बता रहा है, मतलब 'हमारे मित्र'। तो विशेषण पद 'अस्माकं' है।

› शीर्षक के लिए पूरे गद्यांश का मुख्य भाव देखना होगा। यह गद्यांश वृक्षों के महत्व के बारे में है, तो 'वृक्षाणां महत्त्वम्' या 'वृक्षाः मित्राणि' इसका उचित शीर्षक हो सकता है।

उत्तर – (i) वृक्षाः

(ii) वृक्षाः फलानि, पुष्पाणि, छायां च यच्छन्ति।

(iii) अस्माकं

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• बोर्ड परीक्षा में, अपठित गद्यांश के प्रश्न बहुत स्कोरिंग होते हैं। कोशिश करें कि एक बार में पूरा गद्यांश समझ लें, फिर सवालों के अनुसार सटीक उत्तर दें। शीर्षक वाला प्रश्न ज़रूर हल करें, उसके भी पूरे अंक होते हैं!

• यह विषय 'अपठित गद्यांश' में या 'चित्र वर्णन' में भी आ सकता है, इसलिए इसके मुख्य शब्दार्थ और फायदे याद रखना। एक-दो वाक्य संस्कृत में बनाना सीख लो।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। 'लौह पुरुष' क्यों कहा जाता है, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी कहाँ है और उसकी ऊँचाई कितनी है – यह सब एक वाक्य या एक पद के उत्तर में आ सकता है।

• इस भाग से 'परिश्रम' और 'कर्म' शब्द पर आधारित सीधे प्रश्न अक्सर आते हैं। जैसे - 'सफलता का रहस्य क्या है?' या 'कार्यों की सिद्धि किससे होती है?'

• यह विषय 'नैतिक शिक्षा' का महत्वपूर्ण हिस्सा है। 'मानवीय मूल्य और उनका महत्व' पर 3-5 वाक्य लिखने के लिए प्रश्न आ सकता है। प्रमुख मूल्यों के नाम और उनके महत्व को ज़रूर याद रखें।

• यह कहानी नैतिक शिक्षा पर आधारित है और अक्सर इसका सार या 'संदेश' पूछा जाता है। कहानी के पात्रों के मनोभावों और उनके परिवर्तनों पर ध्यान दें।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा में अक्सर 3-5 अंकों के प्रश्न के रूप में आता है, जहाँ प्रकार, कारण और समाधान तीनों पूछे जाते हैं। हर प्रकार का कम से कम एक कारण और एक प्रभाव ज़रूर याद रखना।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर इस पर 5 नंबर का एक निबंध या अनुच्छेद लिखने को आता है, जिसमें कारण और समाधान दोनों लिखने होते हैं। संस्कृत में 'वैश्विक उष्णता' पर वाक्य बनाने का अभ्यास ज़रूर करें।

• यह भाग बोर्ड परीक्षा में बहुत महत्वपूर्ण होता है और इसमें पूरे अंक प्राप्त करना बहुत आसान है। हर प्रश्न को ध्यान से पढ़ो और गद्यांश में ही उत्तर ढूंढो। अपनी तरफ से कुछ मत जोड़ो।

एक नज़र में रिवीज़न

› अपठित गद्यांश = अनपढ़ गद्यांश पढ़कर प्रश्नोत्तर।

› आँवला (धात्रीफल): नेत्र, केश, रक्त लाभ; कार्तिक मास सहभोज परंपरा।

› सरदार पटेल: लौह पुरुष, रियासत एकीकरण, प्रथम उपप्रधान/गृहमंत्री, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (182मी.)

› परिश्रम सफलता की कुंजी है; कर्म भाग्य से श्रेष्ठ।

› मानवीय मूल्य = दया, सत्य, अहिंसा सर्वांगीण विकास

› बाहरी दिखावा भ्रम है; हर जीवन अद्वितीय है।

› वायु, ध्वनि, जल प्रदूषण - कारण, प्रभाव, समाधान याद रखें।

› वैश्विक उष्णता: जनसंख्या/वन कटाई/जीवाश्म ईंधन से तापमान वृद्धि; समाधान: नवीकरणीय ऊर्जा, वृक्षारोपण।

› अपठित गद्यांश: एकपद, पूर्णवाक्य, यथानिर्देशं, शीर्षक ध्यान से।